# गुना जिला

पुलिया और सड़क के अभाव में पगडंडियों के सहारे गुजरते हैं ग्रामीण।

गांव में नल तो हैं, लेकिन पानी नहीं आ रहा।

# पक्की सड़क नहीं, श्मशान पर छत नहीं, नलों में नहीं आता पानी

## ग्राउंड रिपोर्ट : चुनाव का बहिष्कार करने के बाद भी नहीं सुधरे खुशालपुर के हालात, नारकीय जीवन जी रहे लोग

नवभारत न्यूज
चंद्रप्रकाश मांझी

**गुना 17 मई का। जिला मुख्यालय से महज 15 किलोमीटर दूर गुना जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत माहौर से जुड़े खुशालापुर के ग्रामीण आज भी सड़क, पानी और श्मशान जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिला मुख्यालय के इतने नजदीक होने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने इस पंचायत की सुध नहीं ली है। आलम यह है कि सरकारी दस्तावेजों में तो माहौर पंचायत का विकास तेजी से दौड़ रहा है, लेकिन धरातल पर हकीकत बेहद दयनीय है।**

ग्राम पंचायत माहौर के अंतर्गत आने वाले खुशालपुर (खामखेड़ी) गांव की आबादी करीब एक हजार है। 'नवभारत' की टीम ने जब ग्राउंड जीरो पर जाकर हालात देखे, तो विकास के दावों की पोल खुल गई। गांव में प्रवेश के लिए वर्षों पुरानी एक संकरी और

खुले आसमान के नीचे चबूतरे पर होता है मृतकों का अंतिम संस्कार।

कच्ची पगडंडी ही एकमात्र रास्ता है। गांव के प्रवेश द्वार पर ही नाले के ऊपर बनी पुलिया बरसों से टूटी पड़ी है। इसके चलते बारिश के मौसम में नाला उफान पर आते ही ग्रामीणों का संपर्क जिला मुख्यालय से पूरी तरह कट जाता है और लोग हफ्तों तक गांव में कैद रहने को मजबूर हो जाते हैं।

इसके अलावा, सरकार की महत्वाकांक्षी 'जल जीवन मिशन' योजना भी यहां बेअसर साबित हुई है। योजना के तहत घरों में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन ग्रामीणों के मुताबिक केवल टेस्टिंग के दिन ही इसमें पानी दिखा था, तब से आज तक नल सूखे पड़े हैं। वर्तमान में पूरी आबादी सिर्फ दो शासकीय हैंडपंपों के भरोसे अपनी प्यास बुझा रही है।

गांव के श्मशान घाट की स्थिति भी बदहाल है; अंतिम संस्कार के नाम पर बिना छत का एक छोटा सा खुला चबूतरा है, जिससे बारिश में अंतिम संस्कार करने में भारी परेशानी होती है। नाले पर बना स्टॉप डैम भी पूरी तरह टूट चुका है।

### वादे कर भूल गया प्रशासन

दरअसल, साल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान खुशालपुर (खामखेड़ी) के ग्रामीणों ने इन्हीं बुनियादी समस्याओं को लेकर मतदान का पूर्ण बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया था। तब आनन-फानन में जिला प्रशासन की एक टीम गांव पहुंची थी और ग्रामीणों को लिखित-मौखिक आश्वासन दिया था कि वे लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा लें, चुनाव के तुरंत बाद उनकी सभी समस्याओं का निराकरण कर दिया जाएगा। अधिकारियों के भरोसे पर ग्रामीणों ने वोट तो डाल दिया, लेकिन आज करीब 2 साल का लंबा समय गुजर जाने के बाद भी प्रशासन अपना वादा पूरा नहीं कर पाया है और हालात जस के तस बने हुए हैं।

### समस्या तो है, करेंगे समाधान

ग्राम पंचायत के कुछ विकास कार्यों के लिए फिलहाल बजट का अभाव है। जहां तक प्रवेश द्वार की टूटी पुलिया का सवाल है, तो उसका निर्माण प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत होना है। हमने इसका प्रस्ताव बनाकर उच्च स्तर पर भेज दिया है, स्वीकृति मिलते ही काम शुरू करा दिया जाएगा। वहीं, पेयजल समस्या के लिए नए ट्यूबवेल का खनन होना है, जिसके लिए पीएचई विभाग को पत्र लिखा जा चुका है। अन्य जो भी समस्याएं ग्राम पंचायत स्तर की हैं, उनका निराकरण शीघ्र ही कराया जाएगा। कुछ काम मेरे कार्यकाल से पहले ही अधूरे पड़े हैं।

**अरविंद धाकड़, सचिव ग्राम पंचायत माहौर**

# श्मशान घाट की बदहाल व्यवस्था पर उठे सवाल नागरिकों ने की टीन शेड व हाल निर्माण की मांग

**चाचौड़ा।** नगर के टेकरी एवं गोया श्मशान घाट की अव्यवस्थित स्थिति को लेकर नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। भीषण गर्मी और बरसात के मौसम में अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों को खड़े होने तक की उचित व्यवस्था नहीं मिल पा रही है। श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों को इधर-उधर खड़ा होना पड़ता है, जिससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर के मुख्य बाजार चौराहा सहित वार्ड क्रमांक 7, 3, 2 एवं 4 के नागरिकों ने बताया कि श्मशान घाट पर लगा पुराना टीन शेड पूरी तरह टूट चुका है। बरसात के समय यदि एक साथ दो शव पहुंच जाते हैं तो दाह संस्कार के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं बचती। ऐसे में परिजनों एवं अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को भारी असुविधा होती है। सोमवार को समाजसेवी एवं रिटायर्ड पटवारी स्वर्गीय भगवान स्वरूप शर्मा के निधन के बाद श्मशान घाट में एकत्रित लोगों के बीच इस समस्या को लेकर गंभीर चर्चा हुई। नागरिकों ने कहा कि जीवन का अंतिम सत्य श्मशान ही है, लेकिन इसके बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि श्मशान घाट पर एक बड़ा हाल एवं मजबूत टीन शेड का निर्माण कराया जाए, ताकि धूप और बारिश से बचाव हो सके। साथ ही बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश एवं साफ-सफाई की भी उचित व्यवस्था की जाए। नागरिकों का कहना है कि नगर के जागरूक युवा, समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित लोग आगे आकर जनसहयोग से टेकरी श्मशान घाट एवं गोया श्मशान घाट को व्यवस्थित एवं सुंदर बनाने की पहल करें। लोगों ने सुझाव दिया कि श्मशान घाट परिसर को हरियाली एवं पार्क के रूप में विकसित किया जाए, जिससे वहां आने वाले लोगों को स्वच्छ एवं शांत वातावरण मिल सके। नगरवासियों ने प्रशासन से शीघ्र ध्यान देकर आवश्यक निर्माण कार्य कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

# नीट पेपर लीक मामले को लेकर सवर्ण आर्मी ने किया प्रदर्शन

**गुना। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर गुना में भी लोगों का आक्रोश अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। शनिवार देर शाम कांग्रेस ने शहर में मसाल जुलूस निकाला। इसके बाद रविवार को आर्मी ने जयस्तंभ चौराहे पर केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जोरदार प्रदर्शन किया।**

सवर्ण आर्मी के जिला अध्यक्ष विक्रम सिंह तोमर के नेतृत्व में कार्यकताओं ने एकत्रित होकर न केवल केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की, बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला भी दहन किया। प्रदर्शन के दौरान सवर्ण आर्मी ने देश की परीक्षा प्रणालियों पर गंभीर सवाल उठाए।

संगठन ने दावा किया कि बीते 10 वर्षों में देश के भीतर अलग-अलग विभागों और परीक्षाओं के कुल 79 पेपर लीक हो चुके हैं। बार-बार होने वाली इन घटनाओं से साफ है कि युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है और देश की प्रतिष्ठित परीक्षा प्रणालियों की साख खत्म हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने देश में लगातार बढ़ रहे शिक्षा के माफियाकरण पर गहरी चिंता व्यक्त की। सवर्ण आर्मी के पदाधिकारियों ने इसके लिए सीधे तौर पर केंद्र की मोदी सरकार को दोषी ठहराया। पुतला दहन के दौरान सवर्ण आर्मी के कार्यकताओं ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह का इस्तीफा भी मांगा गया है।

# 3 साल की मासूम से दुष्कर्म का प्रयास

**गुना।** जिला पुलिस ने नाबालिगों और महिलाओं के विरुद्ध घटित अपराधों पर कड़ा रुख अपनाते हुए फतेहगढ़ थाना क्षेत्र में एक 3 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के प्रयास के मामले में त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने संवेदनशीलता और सक्रियता का परिचय देते हुए मात्र 12 घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

घटना 15 मई की है, जब हमीरपुर निवासी आरोपी दुगार्शंकर उर्फ दुर्गेश सहरिया (18 वर्ष) मासूम बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने एक कुटी में ले गया और दरवाजा बंद कर लिया। पिता द्वारा खिड़की से झांकने पर आरोपी की करतूत उजागर हुई। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के निर्देश पर फतेहगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक तिवारी की टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को महज 12 घंटे में हमीरपुर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

# 3 महीने से सीवेज का गंदा पानी उगल रहे कोल्हुपुरा के नल

नवभारत न्यूज

**गुना।** शिवाजी नगर-कोल्हुपुरा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 6 में करीब 3 महीनों से नल सीवेज का गंदा और बदबूदार पानी फेंक रहे हैं। दूषित पानी पीने के कारण क्षेत्र में बीमारियां पनप रही हैं, जिससे स्थानीय निवासियों में नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। शनिवार को जब पेयजल लाइन को खोदकर देखा गया, तो वहां के हालात देखकर लोगों के होश उड़ गए। पाइपलाइन से उठने वाली सीवेज की दुर्गंध दूर-दूर तक फैल रही थी।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले 90 दिनों से वे नारकीय स्थिति में रहने को मजबूर हैं। क्षेत्र में सप्लाई होने वाले पानी का टीडीएस स्तर 700 से 800 तक पहुंच गया है, जो स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद खतरनाक है। इस दूषित पानी के उपयोग से वार्ड के कई लोग पेट दर्द, उल्टी-दस्त और त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ चुके हैं। नलों से जहर नुमा पानी आने के कारण लोग अब निजी और नगर पालिका के पानी के टैंकर मंगवाकर गुजारा करने को मजबूर हैं। शनिवार को जब स्थानीय स्तर पर जांच के लिए पेयजल लाइन की खुदाई की गई, तो सीवेज और पेयजल लाइन आपस में क्रॉस होने की बात सामने आई। मौके पर इतनी तेज बदबू थी कि लोगों का खड़ा होना मुश्किल हो गया था। इस गंभीर समस्या को लेकर जब नगर पालिका के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से संपर्क किया गया, तो अधिकारियों ने माना कि लाइन में लीकेज या क्रॉस कनेक्शन की समस्या है। विभाग के अनुसार, इस तकनीकी खामी को पूरी तरह ठीक करने और शुद्ध पेयजल सप्लाई बहाल करने में अभी करीब 7 से 8 दिनों का समय और लग सकता है। तब तक क्षेत्र में वैकल्पिक माध्यमों से पानी पहुंचाया जाएगा।

# माता मूड़रा मंदिर में चोरी का पदार्फाश, 20 दिन की निगरानी के बाद आरोपी गिरफ्तार

**गुना/आरोन।** गुना पुलिस ने धार्मिक आस्था से जुड़े एक बेहद संवेदनशील मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोन थाना क्षेत्र के ग्राम माता मूड़रा स्थित प्राचीन माता मंदिर के गर्भगृह से चांदी के 11 मुकुट चोरी करने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने सफल खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी गए मुकुट और चांदी के 183 टुकड़े बरामद कर लिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती 26 अप्रैल 2026 को अज्ञात आरोपी ने दिनदहाड़े मंदिर में प्रवेश कर मातारानी की 11 मूर्तियों से चांदी के मुकुट पार कर दिए थे। मंदिर के पुजारी कामताप्रसाद शर्मा की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। चूंकि घटना धार्मिक आस्था से जुड़ी थी, इसलिए क्षेत्र में भारी आक्रोश था। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर व एसडीओपी दीपा डोडवे के मार्गदर्शन में आरोन थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह सिकरवार और उनकी टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने 'माईक्रोबीट प्रणाली' और स्थानीय मुखबिरों की मदद से 20 दिनों तक सूक्ष्म निगरानी रखी। इसके बाद 16 मई को संदेही कैलाश शर्मा (55 वर्ष) को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि प्रसाद चढ़ाने को लेकर पुजारी से उत्पन्न रंजिश के चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया था।

**भूसे के ढेर से बरामद हुई चांदी**

पहचान छिपाने के लिए आरोपी ने 11 में से 8 मुकुटों को काटकर उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके घर के पास भूसे के ढेर में छिपाकर रखे गए 3 साबुत मुकुट और 8 मुकुटों के 183 टुकड़े बरामद किए। बरामद चांदी का कुल वजन 220 ग्राम और कीमत लगभग 50 हजार रुपये आंकी गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है।

# सोनखरा में पंचायत की जमीन से हटाया अतिक्रमण

**गुना।** कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार और न्यायालयीन प्रकरण के आदेश के परिपालन में आज राजस्व एवं प्रशासनिक अमले ने ग्राम सोनखरा में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने ग्राम पंचायत भवन निर्माण के लिए आवंटित शासकीय भूमि को भू-माफियाओं के अवैध कब्जे से पूरी तरह मुक्त करा लिया है। मुक्त कराई गई इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 35 लाख रुपये आंकी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सोनखरा स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 272 (कुल रकबा 4.619 हेक्टेयर) में से 0.040 हेक्टेयर भूमि ग्राम पंचायत भवन के निर्माण के लिए स्वीकृत और आवंटित की गई थी। इस बेशकीमती शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से पत्थरों का कोट (दीवार) बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया था। रविवार को मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अमले ने जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध पत्थरों के कोट को पूरी तरह जमींदोज कर दिया। अतिक्रमण हटाने के तुरंत बाद प्रशासन ने कोई देरी न करते हुए मौके पर ही नए पंचायत भवन के निर्माण का लेआउट डलवाया और नींव के लिए गड्ढों की खुदाई का कार्य भी शुरू करवा दिया।

# शीतला माता क्षेत्र में फंदे पर लटका मिला महिला का शव

**4 महीने पहले बेटे की भी हुई थी संदिग्ध मौत, भाई ने जताया हत्या का संदेह**

**गुना।** कोतवाली थाना क्षेत्र के शीतला माता मंदिर स्थित ढीमर मोहल्ला में रविवार सुबह 55 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी सामने आई है कि 55 वर्ष की शांति केवट पत्नि शंकर का शव सुबह लगभग 5 बजे उनके ही घर की ऊपरी मंजिल पर बने एक कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया है। शांति केवट एक निजी अस्पताल में कार्यरत थीं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे महिला के भाई ने हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनकी बहन किसी भी परिस्थिति में फांसी लगाने जैसा आत्मघाती कदम नहीं उठा सकती, इस घटना के पीछे कोई और गहरी वजह है। संदेह इसलिए भी गहरा है क्योंकि ठीक 4 महीने पहले शांति बाई के बेटे का शव भी संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला था। महज 4 माह के भीतर मां और बेटे दोनों की संदिग्ध मौतों ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कोतवाली पुलिस ने घटना स्थल का बारीकी से मुआयना किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया है। फिलहाल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, ताकि आगे की कार्रवाई शुरु की जा सके।

# अयोध्या की तरह सजा भैंसाना, आज से महायज्ञ का भव्य आयोजन

**पार्वती नदी पर होगा डेढ़ हजार यजमानों का शुद्धिकरण स्नान**

नवभारत न्यूज

**गुना। राघौगढ़ क्षेत्र के ग्राम भैंसाना में 18 मई से 11 दिवसीय भव्य श्रीराम महायज्ञ का शुभारंभ होने जा रहा है। महायज्ञ को लेकर पूरी यज्ञ भूमि त्रेतायुग की अयोध्या की तरह सज-धजकर तैयार हो चुकी है, जहां सनातन धर्म और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।**

हनुमान आश्रम भैंसाना के तपोनिष्ठ बृजकिशोर पारीक गुड्डा महाराज के सानिध्य में पिछले 8 महीनों से इस महाअनुष्ठान की व्यापक तैयारियां की जा रही थीं। सोमवार को यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर सुबह यज्ञ स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित पार्वती नदी पर डेढ़ हजार यजमानों का पंचगव्य से शुद्धिकरण स्नान कराया जाएगा। इसके पश्चात हजारों महिलाओं की उपस्थिति में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा यज्ञ स्थल पहुंचकर संपन्न होगी, जिसके बाद वैदिक मंत्रोचार के साथ देवताओं का आह्वान कर यज्ञ की शुरूआत की जाएगी। आयोजन के लिए यज्ञ स्थल पर देश के विभिन्न हिस्सों से साधु-संतों और प्रकांड विद्वानों का आगमन शुरू हो चुका है। गौरतलब है कि यहां बीते 2 मई से ही प्रतिदिन भव्य महाआरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें दूर-दूर से आकर सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं और पूरा क्षेत्र रामजी के जयकारों से गुंजायमान है।

**ऑडियो वायरल** | **फतेहगढ़ वन भूमि विवाद में ऑडियो वायरल, पूर्व एसडीओ पर गोली चलाने का जिक्र**

# कुछ लोग दबाव बनाने के लिए करा रहे हैं फर्जी शिकायतें : रेंजर

नवभारत न्यूज

**गुना 17 मई का। फतेहगढ़ वन क्षेत्र की बेशकीमती जमीनों की अवैध खरीद-फरोख्त और अतिक्रमण के मामले एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार एक सनसनीखेज ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने वन विभाग और प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। इस वायरल ऑडियो में वन भूमि की अवैध सौदेबाजी के साथ-साथ पूर्व में वन विभाग के एसडीओ पर गोली चलाने जैसी गंभीर बात का भी जिक्र किया जा रहा है।**

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह वायरल ऑडियो फतेहगढ़ वन क्षेत्र के एक कुख्यात

अतिक्रमणकारी का है, जो वन विभाग के ही किसी कर्मचारी से करीब एक महीने पहले हुए घटनाक्रम को लेकर बातचीत कर रहा है। ऑडियो में प्रमोद गुप्ता नामक कथित अतिक्रमणकारी यह कहता सुनाई दे रहा है कि वन विभाग ने उसका ट्रैक्टर राजसात कर लिया है।

वह यह भी दावा कर रहा है कि जिस वन भूमि पर वह वर्तमान में रह रहा है, उसे उसने महज 50 हजार रुपये में खरीदा था। ऑडियो में वह यह भी कहता दिख रहा है कि अब इन तमाम शिकायतों और उपजे विवादों का समाधान सिर्फ रेंजर के हाथ में ही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन भूमि की अवैध खरीद-फरोख्त करने वाले दबंगों द्वारा कार्रवाई करने वाले ईमानदार अधिकारियों को डराने और उन्हें झूठे प्रपंचों में फंसाने का खेल लंबे समय से चल रहा है।

**दबाव बनाने की साजिश**

शिकायतकर्ता प्रमोद गुप्ता स्वयं एक चिन्हित अतिक्रमणकारी है। पूर्व में वन भूमि पर अवैध उत्खनन करने के मामले में विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसका ट्रैक्टर राजसात किया गया था। इसी कार्रवाई की खुन्नस में वह पिछले कुछ सालों से लगातार विभाग और अधिकारियों के खिलाफ फर्जी व मनगढ़ंत शिकायतें कर रहा है। मेरे कार्यकाल में कोई नया अतिक्रमण नहीं हुआ है। हालांकि, उसके द्वारा दिए गए शिकायती आवेदनों की बारीकी से जांच कर रिपोर्ट वरिष्ठ कार्यालय को सौंप दी गई है, जो पूर्णतः निराधार पाई गई हैं। ऐसा करने के पीछे आरोपी का एकमात्र उद्देश्य विभाग पर अनुचित दबाव बनाए रखना है, ताकि वह बेखौफ होकर वन भूमि पर अवैध कब्जे और उत्खनन के काले कारोबार को अंजाम दे सके।

-रवि भदौरिया, वन परिक्षेत्र अधिकारी (रेंजर), फतेहगढ़